

23/05/22

व्यावयव पतावली वादी एवं कर्मिल वादी की दवा विज्ञान
 कर स्वार्थि क्रिये जाने की बखत की प्रा. फल पेश करने
 पर पेश हुई। प्रान्त पर सुना गया। स्वीकार किया जाता
 है। शा. वि. हो एवं वाद के वाद की अग्रिम कार्यवाही
 इसी स्तर पर होप की जाती है एवं वादी के प्रान्त
 अनुसार वाद को विज्ञान कर स्वार्थि किया जाता है।
 पतावली केसल सुनार होकर नम्बर से काम हो। वाद
 तकमील जमा जिला लेख भण्डार हो। सुनाया गया।



राज गुरुद्वारा
 23-5-22

सा. वि. द. ल. प. र.
 म. प. र. (अ. वि. र.) राज.